7

मुगल लघु चित्रकला शैली
Mughal School

7.0 भूमिका

मुगल लघु चित्रकला का विकास पर्शिया से शुरू हुआ और भारत में लगभग तीन शताब्दियों तक प्रचलित रहा। लघु चित्रकला की प्रथा पीढ़ी दर पीढ़ी नवीनता के साथ विकसित होती रही। बाबर भारत का पहला मुगल शासक था। उसके बेटे हुमाँयू ने लघु चित्रकला को संरक्षण दिया और पर्शिया से कुछ चित्रकार भारत भी बुलाए, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं अब्दुल समद, मीर सैय्यद अली। इन्हीं चित्रकारों से हुमाँयू और उसके बेटे अकबर ने चित्रकारी सीखी।

पहला मुगल लघुचित्रकला का काम हुमाँयू की देखरेख में शुरू हुआ लेकिन अकबर के द्वारा सम्पूर्ण हुआ। उसके समय में लघु चित्रकला सजीव और वास्तविक थी और लघुकृतियों का चित्रण भी लोकप्रिय था।

अकबर के पश्चात् उसका बेटा जहाँगीर शासक बना। उसके समय में मुगल लघु चित्रकला ने सजावटी चित्रकला और प्रकृति चित्रण में श्रेष्ठता की पराकाष्ठा प्राप्त की। उसके शासनकाल में फारूख बेग, अका रज़ा, उस्ताद मंसूर प्रमुख चित्रकार थे। लेकिन जहाँगीर के बेटे शाहजहाँ के दरबार में लघु चित्रकला के पतन के प्रथम चिन्ह दिखाई दिए।

लघु चित्रकला छोटे विन्यास के चित्र हैं जो सूक्ष्म ब्यौरों को दिखा कर बनाए जाते हैं। कागज को सावधानी के साथ बर्निश किया जाता है और प्रारम्भिक रेखांकन लाल स्याही से किया जाता है। फिर कागज़ को पतला सफेद लेप दिया जाता है। इस सतह पर टेम्परा तकनीक से रंग लगाए जाते हैं। अन्त में जहाँ आवश्यक हो वहाँ सोना प्रयोग करके चित्र को फिर से चमकाया जाता है।

7.1 उद्देश्य

इस पाठ के अध्ययन के बाद आप–

- मुगल लघु चित्रकला की पृष्ठभूमि और विकास का वर्णन कर सकेंगे।
- मुगल लघु चित्रकला के नामों की सूची बना सकेंगे।
- सूचीबद्ध लघु चित्रकला के मुख्य पात्रों को पहचान सकेंगे।
- सूचीबद्ध मुगल लघु चित्रकला के मुख्य पात्रों को पहचान सकेंगे।
- सूचीबद्ध लघुचित्रकला में प्रयोग साधन और सामान और माध्यम का वर्णन कर सकेंगे।
- चित्र का नाम और चित्रकार का नाम बता सकेंगें।

वन में बहेलिया

7.2 बर्न में बहेलिया

शीर्षक	–	*बर्न में बहेलिया*
माध्यम	–	*टेम्परा*
रचनाकाल	–	*अकबर का काल*
आकार	–	*मुगल लघुचित्र*
चित्रकार	–	*भाग*
संग्रह	–	*राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली*

सामान्य परिचय

अकबर ने बहुत–सी फारसी की पुस्तकें चित्रित कराईं। *अकबर नामा, रज़्मनामा* (महाभारत का अनुवाद), *अनवर–ए–सुहेली, बाबरनामा* आदि चित्रित हुए। यह चित्र *बाबरनामा* में है। चित्रकार द्वारा बनाए गए इस चित्र में प्राकृतिक वातावरण अति सुन्दर है। चित्र में एक बहेलिया चिड़िया पकड़ने का जाल फैलाकर एक पेड़ के पीछे लाल चादर में छिप कर प्रतीक्षा कर रहा है। चित्र के सम्मुख भाग में एक तालाब में कुछ चिड़ियां दिखाई दे रही है। कुछ चिड़ियां जाल में फँस भी गईं हैं। हर वस्तु का बहुत यथार्थ तथा स्वाभाविक रूप में चित्रण किया गया है।

पाठगत प्रश्न (7.2)

रिक्त स्थान पूर्ण करें–

1. *रज़्मनामा* का चित्रण .... काल में हुआ है।
2. ''बाबरनामा'' चित्र .... तकनीक में बनाया गया।
3. ''बाबरनामा'' चित्र के कलाकारं .... है।

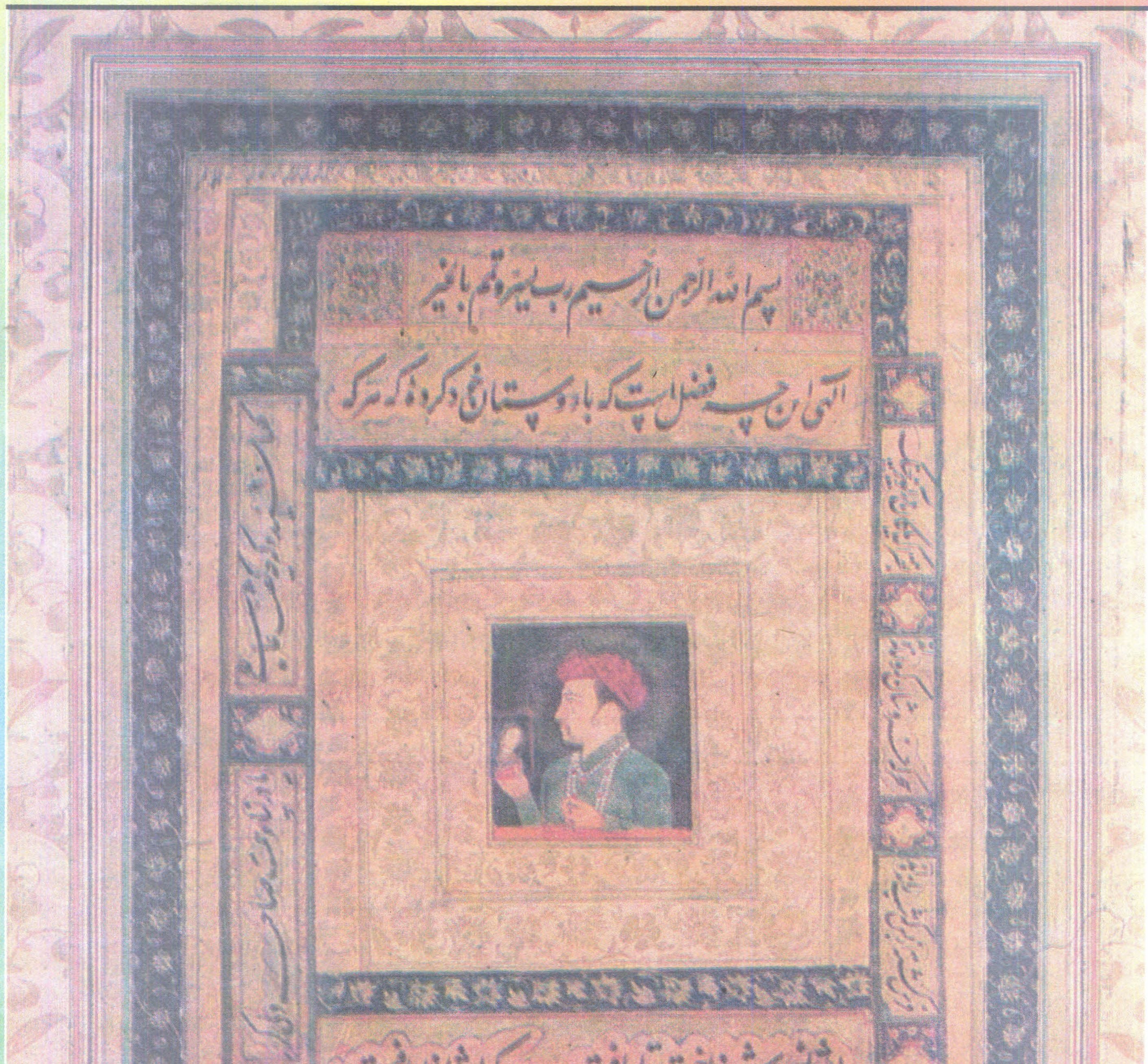

जहाँगीर के हाथ में मैडोना का चित्र

7.3 जहाँगीर के हाथ में मैडोना का चित्र

शीर्षक	–	*जहाँगीर के हाथ में मैडोना का चित्र*
माध्यम	–	*टेम्परा*
रचनाकाल	–	*जहाँगीर का काल*
शैली	–	*मुगल लघुचित्र*
चित्रकार	–	*अबुल हसन*
संग्रह	–	*राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली*

सामान्य परिचय

अबुल हसन द्वारा 1620 A.D. में यह चित्र बनाया गया। चित्र के बीच में जंहागीर बैठे हैं, जिसके चारों किनारे, अलंकृत लिपि द्वारा सजाए गए हैं।' इस चित्र में पश्चिमी प्रभाव स्पष्ट है। जहाँगीर शैली की सारी विशेषताएँ, जैसे सर का बड़ा आकार, ऊँची नाक, कोमल वर्ण आदि इस चित्र में प्रकट हैं। जहाँगीर की मुखाकृति प्रोफाइल में बनाई गई है।

पाठगत प्रश्न (7.3)

सही उत्तर छाँट कर लिखें –

1. इस चित्र के कलाकार का नाम है।

   (क) उस्ताद मनसुर (ख) अबुल हसन (ग) अब्दुस्समद

2. जहाँगीर की मुखाकृति

   (क) प्रोफाइल में (ख) आधा–प्रोफाइल में

   (ग) पूरी मुखाकृति (फ्रंट) में बनायी गयी है।

3. मुखाकृति में निम्नलिखित अंश प्रमुख हैं–

   (क) कान (ख) आँख (ग) नाक।

बाज

7.4 बाज

शीर्षक	–	*बाज*
माध्यम	–	*टेम्परा*
रचनाकाल	–	*जहाँगीर*
शैली	–	*मुगल लघुचित्रकला*
चित्रकार	–	*उस्ताद मनसूर*
संग्रह	–	*राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली।*

सामान्य परिचय

जहाँगीर के प्रमुख चित्रकारों में उस्ताद मनसूर विख्यात हैं। वह पक्षियों के चित्रण में अपना सानी नहीं रखता था। उसका बनाया हुआ 'बाज' का चित्र आज तक संसार में प्रशंसा का पात्र बना है। इस बाज के चित्र में जो आकृति है वह अनोखी है। बाज की आँखों से क्रूरता का भाव इतना स्पष्ट तथा वास्तविक दिखाई देता है कि दर्शक उसे देखते ही मुग्ध हो जाते हैं। पीली पृष्ठभूमि पर सफेद तथा भूरे रंग में बाज को चित्रित किया गया है। संयोगवश यह बाज़ ईरान के राजा शाह अब्बास की तरफ से भेंट थी।

पाठगत प्रश्न (7.4)

सही उत्तर छाँट कर लिखें–

1. 'बाज' चित्र निम्नलिखित शैली में बनाया गया।

   (क) मुगल लघुचित्र, (ख) लघु चित्रकला, (ग) राजस्थानी चित्रकला

2. बाज की आँखों से क्रूरता का निम्नलिखित भाव दिखाई देता है।

   (क) वास्तविक (ख) अमूर्त (ग) आधा वास्तविक

3. बाज के चित्रण में निम्नलिखित रंगों का प्रयोग हुआ है–

   (क) लाल तथा नीला (ख) सफेद तथा भूरा (ग) ब्राउन तथा लाल।

कबीर तथा रईदास

7.5 कबीर तथा रईदास

शीर्षक	–	*कबीर तथा रईदास*
माध्यम	–	*टेम्परा*
रचनाकाल	–	*शाहजहाँ का काल*
शैली	–	*मुगल लघुचित्रकला*
चित्रकार	–	*फकीर–उल्लाह*
संग्रह	–	*राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली*

सामान्य परिचय

शाहजहाँ के युग में चित्र उस स्तर में नहीं बने जिस स्तर के जहाँगीर के समय में बने थे। जहाँगीर के समय में परम्परा के अनुकूल ही चित्र की रचना होती रही।

इस समय दरबारी तथा व्यक्ति–चित्र खूब बने। मुखाकृति रचना में कोमल भाव अधिक होने के कारण पुरूष भी नारी की तरह नाजुक प्रतीत होता है। देहाकृति के अंकन में स्वाभाविकता तथा कपड़े के अंकन में वास्तविकता प्रकट होती है। शाहजहाँ के युग को हर कला के विकास के कारण "सुनहरी युग" कहा जाता है।

'कबीर तथा रईदास" चित्र, शाहजहाँ का दूसरे धर्म पर सम्मान रखने का एक प्रमाणपत्र है। उस्ताद फकीर–उल्लाह शाहजहाँ के दरबार में प्रधान चित्रकार रहे। एक गांव की पृष्ठभूमि में एक कुटिया के सामने संत कबीर को कपड़ा बुनते हुए दिखाया गया है। उनके पास बैठ कर संत रईदास माला जप रहे हैं। चित्र का पिछला भाग कोहरे से धुंधला–सा है। दोनों ही महापुरूष गहरे ध्यान में मग्न हैं। यद्यपि मुखाकृति बहुत ही वास्तविक शैली में बनाई गई है पर चेहरे में एक स्वर्गीय आनन्द के भाव प्रकट करने में चित्रकार सफल हुआ है। चित्र में धार्मिक अभिव्यंजना के साथ–साथ भारतीय गांव के सहज एवं शांत जीवन प्रवाह के रूप को भी अभिव्यक्त किया गया है। भूरे रंग के चित्र का किनारा नीला रंग का होने के कारण चित्र और भी प्रकट और स्पष्ट हो गया है।

पाठगत प्रश्न (7.5)

सही उत्तर छाँट कर लिखें–

1. चित्र के किनारे का रंग है –

   (क) नीला (ख) हरा (ग) भूरा

2. "कबीर तथा रईदास" चित्र के कलाकार हैं –

   (क) फकीर–उल्लाह (ख) नादिर (ग) मनसूर

3. शाहजहाँ के युग को कहते हैं –

   (क) कांस्य युग (ख) चांदी युग (ग) स्वर्ण युग

दारा शिकोह की बारात

7.6 दारा शिकोह की बारात

शीर्षक	–	*दारा शिकोह की बारात*
माध्यम	–	*टेम्परा*
शैली	–	*मुगल लघुचित्रकला*
चित्रकार	–	*हाजि मदानि*
संग्रह	–	*राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली*

सामान्य परिचय

नवाब शुजाऊदौला के काल में अवध की क्षेत्रीय कला पराकाष्ठा पर थी। यह कला वाजिद अलि शाह के समय उच्चकोटि की थी। मुगल लघु चित्रकला से प्रभावित होते हुए भी अवधी चित्रकला ने एक अपनी चित्ररीति का विकास किया था। इस शैली में कोमल रंग तथा अलंकरण पर अधिक महत्व दिया गया। **''दारा शिकोह की बारात''** चित्र की रचना **हाजी मदानी** द्वारा 'टेम्पेरा' तकनीक में बनाई गई है। इस चित्र में दारा शिकोह को घोड़ी पर बैठे हुए दिखाया गया है। दारा शिकोह एक अंगरखा पहने हैं एवं मोतियों का सेहरा बांधे हैं। दारा शिकोह के पीछे पीछे उनके पिता शाहजहाँ चल रहे हैं। शाहजहाँ को महत्व देने के लिए उनके सर के पीछे **प्रकाश की छटा** दिखाई गई है। सारे चेहरों को प्रोफाइल तथा आधा प्रोफाइल में दर्शाया गया है। चित्र की पृष्ठभूमि में नारी सदस्यों को **हाथी पर सवार** दिखाया गया है। इसके साथ साथ बाजे वाले भी हाथी पर सवार होकर जा रहे हैं। उज्ज्वल पोषाकों में तथा सोने के गहने पहनकर बाराती नाचते गाते चले जा रहे हैं। इनमें कुछ आदमी हाथ में मशाल के साथ दिखाए गए हैं।

चित्रकार ने इस परिदृश्य को सही ढंग से दिखाने की कोशिश की है; तथा पेड़ पौधों के चित्रण में भी कुशलता प्रकट की है।

पाठगत प्रश्न (7.6)

रिक्त स्थान पूर्ण करें

1. दारा शिकोह की बारात का चित्र .... द्वारा बनाया गया है।
2. शाहजहाँ के सिर के पीछे .... दिखाई गई है।
3. नारी सदस्यों को .... दिखाया गया है।
4. .... के काल में क्षेत्रीय कला पराकाष्ठा पर थी।

7.7 सारांश

लघु चित्रकला की शुरूआत हुमॉयू के काल से शुरू हुई तथा अकबर के शासनकाल में पूर्णता प्राप्त की। फारसी चित्रकार अब्दुल समाद तथा मीर सैय्यद के योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। बादशाह जहाँगीर के दरबारी चित्रकारों ने प्रकृति चित्रण तथा अलंकारिक चित्रण में अपनी कुशलता को प्रकट किया। फारूख बेग, अक्का राजा, उस्ताद मनसूर आदि जहाँगीर के दरबार के प्रमुख चित्रकार थे। मुगल चित्र की रचना मुख्यतः टेम्परा तकनीक में की गई है। शाहजहाँ के काल में चित्रों में सोने (Gold) का भी काम किया गया है। मुगल चित्रकला के प्रभाव में कई लघुचित्र घरानों का विकास हुआ जिनमें अवध चित्रकला एक मुख्य स्थान रखती है।

7.8 माडल प्रश्न

1. लघुचित्र में प्रयोग किए गए तकनीक के बारे में लिखिए।
2. ''बाज'' चित्र का वर्णन कीजिए।
3. मुगल चित्र शैली की विशेषतायें बताइए।
4. शाहजहाँ कालीन किसी एक चित्र का वर्णन कीजिए।
5. ''दारा शिकोह की बारात'' चित्र का वर्णन कीजिए।

7.9 पाठगत प्रश्नों के उत्तर

7.2	1. अकबर	2. टेम्परा	3. भाग	
7.3	1. ख	2. क	3. ग	
7.4	1. क	2. क	3. ख	
7.5	1. क	2. क	3. ग	
7.6	1. हाजी मदानी,	2. प्रकाश की छटा,	3. हाथी पर सवार,	4. नवाब शुजाऊदौला

7.10 शब्दकोष

टेम्परा – अंडा के सफेद तरल अंश के साथ रंग मिलाकर करने की तकनीक।

मैडोना – ईशा मुसीह की माता।

अवध – लखनऊ

मुखाकृति – पोरट्रेट

बहेलिया – पक्षियों को पकड़ने का व्यवसाय करने वाला शिकारी